महत्वपूर्ण एवं खास

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो की टक्कर से ग्रामीण महिला की हुई मौत

जगदलपुर (आरएनएस)। जिले के कोड़ेनार थाना क्षेत्र अंर्तगत ग्राम एरडवाल में एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो चालक ने सडक़ पार कर रही एक ग्रामीण महिला लच्छनदई को टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे इलाज के लिए मेकॉज डिमरापाल लाया गया, जहां उपचार के दौरान आज शुक्रवार को उसकी मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार महिला लच्छनदई एरडवाल में हो रहे देवी विदाई में शामिल होने के लिए आयोजन स्थल की ओर जाने के दौरान जगदलपुर से दंतेवाड़ा की ओर जा रही एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो वाहन ने टक्कर मार दी। घटना के बाद चालक महिला को उपचार के लिए अपने वाहन में लेकर मेकॉज पहुंचे। जहां महिला को भर्ती करने के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी कुछ लोगों ने महिला के पति को दी। जिसके बाद परिजन अस्पताल पहुंचे, लेकिन उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई।

तेज रफ्तार बस व बाइक की भिड़त, युवक की मौत

दंतेवाड़ा (आरएनएस)। जिले के गीदम थाना क्षेत्र अंर्तगत नेशनल हाईवे 63 मनवा ढाबा के पास मोड़ पर शुक्रवार दोपहर में एक तेज रफ्तार बस के साथ बाइक की आमने-सामने की भिड़त में बाईक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई है। मृतक युवक की शिनाख्त मेकेनिक का कार्य करने वाले राकेश सोनवाने के रूप में हुई है। पुलिस मौके पर पंहुचकर कार्यवाही के उपरांत मृतक के शव को अस्पताल भेज दिया है। पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंपा जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक यात्री बस गीदम से बीजापुर की तरफ जा ही थी। इसी बीच विपरीत दिशा से बाइक सवार युवक राकेश आ रहा था। मनवा ढाबा के पास मोंड़ में बाइक और बस की आमने-सामने से टक्कर हो गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि बाइक सवार युवक बाइक समेत बस के टायर के नीचे आ गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। लोगों ने दुर्घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया है। पुलिस दुर्घटना की जांच कर आगे की कार्यवाही कर रही है।

अंतागढ़ तक चलेगी दल्लीराजहरा-केवटी-रायपुर स्पेशल पैसेजर ट्रेन

कांकेर (आरएनएस)। जिले के अंतागढ़ तक दल्लीराजहरा-केवटी-रायपुर स्पेशल पैसेजर ट्रेन चलाई जा रही है। अंतागढ़ से शुरू हुई यह ट्रेन केवटी, भानुप्रतापपुर होते हुए रायपुर पहुंचेगी। रेलवे ने ट्रेन की टाइमिंग में भी आंशिक फेर बदल किया है। प्रति दिन ट्रेन सुबह करीब 4:40 को अंतागढ़ स्टेशन से निकलेगी जो करीब 8:55 को रायपुर पहुंचेगी। लगातार इलाके के लोग ट्रेन की टाइमिंग और इसका अंतागढ़ तक विस्तार करने की मांग कर रहे थे। लोगों की मांग के बाद छत्तीसगढ़ में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल ने ट्रेन को अंतागढ़ तक चलाने का फैसला लिया। साथ ही इसकी टाइमिंग भी बदली गई। ऐसे में इलाके के लोगों को राजधानी रायपुर तक का सफर करने फायदा मिलेगा। विदित हो कि रावघाट प्रोजेक्ट के तहत दल्लीराजहरा से गुदुम और भानुप्रतापपुर तक 2018 में रेल सेवा निर्धारित समय पर शुरू हो चुकी थी। भानुप्रतापपुर से केवटी तक रेल सेवा शुरू होने में एक वर्ष और अंतागढ़ तक रेल सेवा शुरू होने में 03 वर्ष विलंब के बाद शुरू हो रहा है।

ग्रामीण क्षेत्र में हाथियों का आतंक जारी : दरवाजा तोड़कर घर में घुसा हाथी, बाल-बाल बचा परिवार

कोरबा (आरएनएस)। जिले के कटघोरा वनमंडल के पसान व केंदई रेंज में हाथियों का आतंक जारी है। यहां के जंगलों में बड़ी संख्या में घूम रहे हाथियों ने जहां पसान रेंज के जलके सर्किल के ग्राम सरमा में दरवाजा तोड़ एक ग्रामीण के घर में घूस कर धान व अनाज को चट कर दिया। वहीं घरेलु सामानों को भी तहस-नहस कर दिया। हाथियों ने एक अन्य ग्रामीण के घर को भी आंशिक नुकसान पहुंचाया है। उधर केंदई रेंज के कापानवापारा में सक्रिय हाथियों ने जंगल में वन विभाग द्वारा लगाए गए फेसिंग खंभे व तार को भी क्षतिग्रस्त कर दिया है। हाथियों के ताजा उत्पात से वन विभाग को लगभग 50 हजार रूपए की आर्थिक चपत लगी है। ग्राम सरमा में देर शाम को हाथियों के अचानक बस्ती में प्रवेश करने से अफरा तफरी मच गई। एक ग्रामीण का परिवार बाल बाल बच गया। घर में हाथियों को देखकर परिवार के सदस्यों ने भागकर अपनी जान बचायी और ग्रामीणों तथा वन विभाग को सूचित किया।

वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौके पर पहुंचते इससे पहले ही ग्रामीणों ने हाथियों को खदेडऩे का जतन शुरू कर दिया। ग्रामीण बड़ी संख्या में मशाल व टार्च लेकर घरों से निकले और शोरगुल मचाकर हाथियों को भागने के लिए विवश कर दिया। हाथियों के जंगल जाने पर ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। जानकारी के अनुसार पसान रेंज के जलके सर्किल में 25 हाथी विचरण कर रहे हैं। हाथियों का यह समूह 3.4 दलों में बट गया है। एक समूह में 8 के लगभग हाथी है। यही समूह गुरूवार की शाम को जंगल से निकलकर ग्राम सरमा पहुंचा। हाथियों के झुंड ने बस्ती में प्रवेश करते ही उत्पात मचाना शुरू कर दिया। इस दौरान हाथियों ने रविंद कुमार नामक ग्रामीण के घर का दरवाजा व दीवाल तोडक़र अंदर प्रवेश कर लिया और वहां घर में रखे धान व अन्य अनाज को चट करने के साथ ही परिवार को मारने के लिए भी दौड़ाया। रविंद का परिवार हाथियों को अपनी ओर आते तथा आक्रमक होता देख भाग कर अपनी जान बचायी। जिस समय हाथियों का दल यहां घुसा ग्रामीण का परिवार खाना खाने की तैयारी कर रहा था। एकाएक हाथियों को घर में देखकर अफरा तफरी मच गयी। गांव में भी हाथियों के आने का हल्ला हो गया। हाथियों के बस्ती में आने तथा उत्पात मचाने की जानकारी मिलते ही ग्रामीण बड़ी संख्या में मशाल टार्च लेकर घरों से बाहर निकले और शोरगुल करने के साथ हाथियों को खदेडऩे की कार्रवाई की। इस दौरान वन विभाग को सूचित किया गया। वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी इससे पहले मौके पर पहुंचते कि ग्रामीणों का शोरगुल सुनकर हाथियों ने जंगल का रूख कर लिया था। हाथियों ने जाने से पहले रामप्रताप के घर को आंशिक नुकसान पहुंचाया। वन विभाग की टीम विलंब से गांव में पहुंची और काफी देर तक वहां रहने के बाद जब यह सुनिश्चित हुआ कि हाथियों का दल अब फिर लौटकर गांव नहीं आया तो टीम वापस लौटी। हाथियों के उत्पात से रविंद कुमार को काफी नुकसान उठाना पड़ा है। हाथियों द्वारा उनके घर को तोड़े जाने की यह दूसरी घटना है। इससे पहले दो माह पूर्व भी हाथियों ने इसे निशाना बनाते हुए आंशिक नुकसान पहुंचाया था। हाथियों द्वारा घर को दोबारा निशाना बनाए जाने से रविंद का परिवार दहशत में है।

इसबीच केंदई रेंज में भी हाथियों द्वारा उत्पात मचाये जाने की सूचना मिली है। यहां के कोरबी सर्किल में घूम रहे 21 हाथियों के दल ने कापानवापारा में वन विभाग द्वारा जंगल में लगाए गए फेसिंग खंभे व तार को उत्पात मचाकर तोड़ दिया है। जिससे विभाग को लगभग 50 हजार रूपए का नुकसान उठाना पड़ा है। कापानवापारा में फेसिंग खंभा व तार को तोड़े जाने की जानकारी मिलने पर वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी आज मौके पर पहुंचे और मौका मुआयना करने के साथ ही नुकसान की जानकारी हासिल की।

मुख्यमंत्री अंबेडकर सार्वजनिक जयंती समारोह में हुए शामिल

- बाबा साहेब ने संविधान के जरिए लोगों को दी अधिकारों की ताकत - मुख्यमंत्री
- मुख्यमंत्री बघेल ने संविधान निर्माता, भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें अर्पित की श्रद्धांजलि

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि देश के लोगों की सबसे बड़ी ताकत बाबा साहेब अंबेडकर द्वारा दिया गया हमारा संविधान हैं। हमारा संविधान हमें अधिकार सम्पन्न बनाता है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज राजधानी रायपुर में संविधान निर्माता, भारतरत्न बाबा साहेब अंबेडकर की 132वीं जयंती के अवसर पर आयोजित सार्वजनिक जयंती समारोह को सम्बोधित करते हुए इस आशय के विचार प्रकट किए। मुख्यमंत्री ने इसके पहले अंबेडकर चौक स्थित बाबा साहेब अंबेडकर की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक तरफ देश आजादी की लड़ाई लड़ रहा था, वहीं दूसरी तरफ बाबासाहेब अंबेडकर दबे कुचले समाज को अधिकार दिलाने के लिए संगठित कर संघर्ष कर रहे थे। बाबासाहेब ने समाज के पिछड़े वर्ग के लोगों को शिक्षित और संगठित होकर संघर्ष करने की प्रेरणा दी। बघेल ने कहा कि बाबा साहेब ने यह महसूस किया कि भारतीय समाज की सबसे बड़ी कमजोरी शिक्षा की है। उन्होंने भारतीय दर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि हम पूरे विश्व को अपना परिवार मानते हैं। वैचारिक दृष्टि से हम बहुत ऊंचे हैं, लेकिन हमारा व्यवहार वैसा नहीं है। हमारे समाज में मनुष्यों के साथ भेद-भाव किया जाता है, समानता का व्यवहार नहीं किया जाता। बाबा साहेब सहित देश के अनेक महापुरूषों ने भारतीय समाज की इस बुराई को महसूस किया और इसके विरूद्ध लड़ाई लड़ी। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने दलितों, शोषितों और पीड़ितों की आवाज बनकर उनके अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि बाबा साहेब जैसे महापुरूष सदियों में एक बार पैदा होते है, उन्होंने हमें 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' का मंत्र दिया। उनके यही विचार हमें संघर्ष करने और आगे बढऩे की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने भगवान बुद्ध के प्रज्ञा, करूणा और मैत्री के संदेश को आत्मसात किया। आज समाज को इसकी सबसे बड़ी आवश्यकता है। बाबा साहेब द्वारा दिया गया संविधान हमें सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक समानता का अवसर देता है। संविधान के चलते हमें आरक्षण मिला। बाबा साहेब ने समाज में बदलाव लाने का प्रयास किया। उनके नेतृत्व में लाखों लोगों ने नागपुर में बौद्ध धर्म की दीक्षा ली।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने जाति प्रमाण पत्र का सरलीकरण किया है। छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है जहां यदि माता-पिता के पास जाति प्रमाण पत्र है, तो नवजात शिशु को उसका जाति प्रमाण पत्र दे दिया जाता है। यदि किसी के पास 50 साल का रिकार्ड नहीं है तो ग्राम सभा अथवा शहरी क्षेत्रों में सामान्य सभा से प्रस्ताव पारित होने पर जाति प्रमाण पत्र बनाने की व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री आज बिलासपुर और रायपुर में आयोजित कार्यक्रमों में होंगे शामिल

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 15 अप्रैल को बिलासपुर और रायपुर में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। बघेल निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रायपुर पुलिस ग्राउण्ड हेलीपेड से पूर्वान्ह 11.30 बजे हेलीकॉप्टर द्वारा रवाना होकर दोपहर 12 बजे बिलासपुर पहुंचेंगे और वहां कालीबाड़ी मैदान रेलवे परिक्षेत्र में 'बंगला नववर्ष एवं शताब्दी समारोह' में शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री बघेल बिलासपुर से दोपहर 1.10 बजे हेलीकॉप्टर द्वारा रवाना होकर 1.45 बजे दुर्ग जिले के पाटन विकासखंड के जामगांव (आर) कॉलेज ग्राउण्ड पहुंचेंगे और वहां से कार द्वारा 1.55 बजे गुढियारी (पाटन) आयेंगे। मुख्यमंत्री वहां स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होने के बाद 2.50 बजे रायपुर लौटेंगे। मुख्यमंत्री शाम 5 बजे राजधानी रायपुर के महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय सभागार में आयोजित 'मायाराम सुरजन जी की जन्मशती एवं देशबंधु पत्र समूह के स्थापना दिवस समारोह' में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री बघेल शाम 6.15 बजे रायपुर के ललित महल होटल में आयोजित प्रदेश स्तरीय पॉवर इंजीनियर्स कॉन्क्लेव 2023 में शामिल होंगे।

राजधानी में प्रदेश स्तरीय मेहर सम्मेलन का आयोजन कल

- जिसमें प्रतिभा सम्मान, आदर्श विवाह, युवक युवती परिचय सम्मेलन के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की होंगी प्रस्तुति
- कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ मेहर समाज का वार्षिक सम्मेलन रविवार 16 अप्रैल को महादेव घाट रायपुर स्थित जगतगुरु रविदास जी की मंदिर प्रांगण में आयोजित हैं। प्रदेश युवा अध्यक्ष व छत्तीसगढ़ चर्मशिल्प विकास बोर्ड के सदस्य तुलसी दौडिय़ा ने बताया कार्यक्रम प्रात: 10 बजे जगतगुरु रविदास जी की पुजा पाठ से शुरू होगी, तत्पश्चात मुख्य कार्यक्रम की शुरुआत होगी जिसमें विवाह योग्य युवक युवतियों का परिचय सम्मेलन, आदर्श विवाह, समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान, वरिष्ठजनों का उद्बोधन व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुत होगी।

सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी शामिल होंगे, वही साथ में डॉ प्रेमसाय सिंह टेकाम शिक्षा व आदिम जाति सहकारिता मंत्री, विकास उपाध्याय विधायक व संसदीय सचिव, एजाज ढेबर महापौर रायपुर, तरूण बिजौर अध्यक्ष चर्मशिल्प विकास बोर्ड, खिलावन बघेल उपाध्यक्ष चर्मशिल्प विकास बोर्ड व अध्यक्ष मेहर समाज प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे। समाज के महासचिव परदेसी राम लहरी, कोषाध्यक्ष राकेश मेहर, महिला अध्यक्ष व चर्मशिल्प विकास बोर्ड के सदस्य सरोजनी रात्रे, सचिव सुधा रात्रे, कोषाध्यक्ष मधुनीलम जोशी, युवा सचिव खेमराज बाकरे व कोषाध्यक्ष हितेश मंडाई ने समाज के सभी वर्गों को सम्मेलन में शामिल होने निवेदन किया है।

महिला एवं बाल विकास विभाग और पुलिस विभाग के संयुक्त टीम ने रोका बाल विवाह

जांजगीर-चांपा (आरएनएस)। महिला एवं बाल विकास विभाग और पुलिस विभाग के संयुक्त प्रयास से आज एक नाबालिग कन्या का विवाह से रोका गया। बाल विवाह संबंधी सूचना प्राप्त होते ही कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश के निर्देशानुसार जिला कार्यक्रम अधिकारी अनीता अग्रवाल एवं जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी सूर्यकांत गुप्ता के मार्गदर्शन में पुलिस विभाग से समन्वय करते हुए ग्राम मेंऊ में बालिका के घर जाकर बालिका के उम्र सत्यापन हेतु अंकसूची की मांग की गई जिस पर परिवार वालो ने बालिका के उम्र संबंधी समस्त दस्तावेज जल गया है अवगत कराया गया। बालिका के उम्र के संबंध में परिवार से जानकारी लेने पर परिवार वालों ने बताया कि बालिका की उम्र लगभग 15 वर्ष है जिसका विवाह भूईगांव के 22 वर्षीय व्यक्ति के साथ 11 अप्रैल 2023 को निर्धारित था बारात आ चुकी थी। रात लगभग 10 बजे शिक्षा विभाग से समन्वय कर दाखिल खारिज प्राप्त किया गया। जिसमें बालिका का उम्र 12 वर्ष 04 माह 07 दिन होना पाया गया। दोनो पक्षो को बाल विवाह के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया एवं समझाईस के पश्चात सरपंच एवं स्थानीय लोगों की उपस्थिति में दोनों वर पक्ष तथा वधु पक्ष की सहमति से बालिका का विवाह रोका गया है। दल में जिला बाल संरक्षण इकाई से जिला बाल संरक्षण अधिकारी गजेंद्र सिंह जायसवाल, मनीषा जांगडे पर्यवेक्षक, डेटा एनालिस्ट धीरज राठौर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सावित्री दिनकर, भगवती साहू पुलिस विभाग से सहा उप निरीक्षक नीलमणी कुसुम, आरक्षक रज्जू रात्रे, आरक्षक विश्वजीत आदिले थाना पामगढ़ शामिल थे।

ज्ञात हो कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत विवाह के लिए लडक़ी की उम्र 18 वर्ष तथा लडके की उम्र 21 वर्ष निर्धारित है।

निर्धारित उम्र से कम होने की स्थिति में बाल विवाह करने पर पुलिस विभाग द्वारा अपराध पंजीबद्ध करते हुए विवाह करने वाले माता-पिता, विवाह में सम्मिलित होने वाले रिश्तेदार, विवाह कराने वाले पंडित के विरूद्ध कार्यवाही की जावेगी। अधिनियम के तहत 02 वर्ष के कठोर सश्रम कारावास तथा 01 लाख के जुर्माने अथवा दोनों से दंडित किया जाने का प्रावधान है।

मुर्गा चोरी के शक में पड़ोसी की पिटाई कर काटी उंगली

- आरोपी जेल दाखिल

कोरबा (आरएनएस)। मुर्गा चोरी का आरोप लगाते हुए एक युवक ने पड़ोसी की जमकर पिटाई कर दी उसने खुद को बचाने का प्रयास कर रहे अधेड़ की उंगली को दांत से काटकर जख्मी कर दिया। मामले में पुलिस ने पीडित की रिपोर्ट पर मारपीट की धारा के तहत कार्रवाई की। इसके अलावा प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए आरोपी को जेल दाखिल करा दिया है।

सीएसईबी पुलिस चौकी अंतर्गत मैग्जीन भांठा में जितेंद्र साहू निवास करता है। उसने शौकिया तौर पर मुर्गी पाला हुआ है उसका एक मुर्गा अचानक गायब हो गया, उसे पड़ोस में ही रहने वाले हनुमान प्रसाद निषाद पर मुर्गा चोरी करने का संदेह था। इसी बात को लेकर देर शाम जितेंद्र नशे में धुत होकर हनुमान के घर पहुंचा। उसने मुर्गा चोरी का आरोप लगाते हुए हनुमान से गाली गलौज कर मारपीट शुरू कर दी। जब अधेड़ खुद को बचाने का प्रयास कर रहा था, तो जितेंद्र ने उसकी एक उंगली को दांत से काट लिया, जिससे अधेड़ जख्मी हो गया। इस पूरे मामले की शिकायत हनुमान ने पुलिस चौकी पहुंचकर की। पुलिस चौकी प्रभारी शिव कुमार धारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए टीम रवाना कर दिया। मामले में जांच उपरांत आरोपी के खिलाफ धारा 294, 506,323 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। इसके अलावा धारा 151 के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए आरोपी को सिटी मजिस्ट्रेट के न्यायालय में पेश किया गयाए जहां से जमानत के अभाव में जेल दाखिल कराया गया है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुरे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियों की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

हाट बाजार क्लीनिक से दुर्गम इलाकों में सुलभ हुई स्वास्थ्य सेवाएं

- प्रदेश में 84 लाख से अधिक मरीजों का हुआ उपचार

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचलों विशेषकर पहाड़ी और दुर्गम इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाएं तेजी से पहुंच रही है। स्वास्थ्य विभाग का अमला हाट बाजार क्लीनिक के माध्यम से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं। राज्य के ग्रामीण अंचलों में 1 लाख 50 हजार से अधिक हाट बाजार क्लीनिक का आयोजन किया जा चुका है। इन आयोजनों में 84 लाख से अधिक मरीजों को सीधा फायदा मिला है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा हाट बाजारों में आयोजित किए जा रहे क्लीनिकों में लोगों को उपचार के साथ-साथ नि:शुल्क दवाईयां और पैथोलॉजी की सुविधाएं मिल रही है। योजना के अंतर्गत राज्य में 429 डेडिकेटेड ब्राडिंग वाहन तथा चिकित्सा दलों के माध्यम से दूरस्थ अंचलों में लोगों का इलाज किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार की फ्लैगशिप योजना मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक योजना से बस्तर-सरगुजा सहित राज्य के अन्य पहुंचविहीन और दुर्गम इलाके में रहने वाले लोगों को काफी फायदा हो रहा है। जहां एक तरफ इस योजना से महिलाओं और बच्चों के पोषण में सतत् निगरानी हो रही है तो वहीं दूसरी तरफ योजना से बस्तर में मलेरिया उन्मूलन अभियान को गति मिली है। इन इलाकों में महिलाओं और बच्चों में पोषण स्तर की जांच और कुपोषण के रोकथाम के लिए भी यह योजना कारगर सिद्ध हो रही है।

सरगुजा संभाग के बैकुंठपुर जिला के ग्राम छिंदडांड निवासी विजय सारथी लंबे समय से उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह की समस्या से जूझ रहे थे । महंगी दवाईयों और इलाज से भी उन्हें अधिक फायदा नहीं हो रहा था। सारथी को एक दिन अचानक सप्ताहिक हाट बाजार में क्लीनिक की गाड़ी दिखी, उन्होंने वहां जाकर चिकित्सकों से पूछा तो नि:शुल्क इलाज की जानकारी मिली। जांच करवाने पर आवश्यक दवाई भी नि:शुल्क मिली, जिससे उनके तबीयत में सुधार हुआ है।इसी प्रकार बीपी के समस्याओं से ग्रसित रामनारायण बताते हैं कि उन्हें हाई ब्लड प्रेशर है जिससे उन्हें काफी तकलीफ थी।हाट बाजार क्लीनिक में उचित इलाज , दवाइयां एवं खानपान की सलाह मिलने से उनके स्वास्थ्य में सुधार हुआ है।कोरिया जिले में विगत सप्ताह में हाट बाजार क्लीनिक में कुल 1758 मरीजों ने जांच कराया तथा 1715 मरीजों को नि:शुल्क दवाइयों का लाभ मिला।

बस्तर अंचल में भी हाट बाजार क्लीनिक योजना का बड़ी संख्या में ग्रामीण लाभ उठा रहे हैं। बस्तर जिला के ग्राम पखनार के हाट-बाजार क्लिनिक में इलाज करने पहुंचे डॉक्टर दुलेश्वर दानी ने बताया कि इस योजना से यहां गर्भवती माताओं और शिशुओं की जांच व टीकाकरण, संक्रामक तथा असंक्रामक बीमारियों की जांच, नेत्र रोग, कुपोषण, चर्म रोग, मधुमेह, टीवी, उच्च रक्तचाप और परिवार नियोजन संबंधित सलाह दी जा रही है। कटेनार बाजार में ही दुकान लगाने वाली लोदी ने बताया कि हाट बाजार क्लीनिक का लाभ उन्हें मिल रहा है। वह बीपी का चेकअप हाट बाजार क्लीनिक में ही कराती हैं, जहां उन्हें दवाइयां भी फ्री में दी जाती हैं।

स्वास्थ्य टीम में होते है स्थानीय बोली के जानकार- हितग्राहियों ने बताया कि छोटी-मोटी बीमारियों और उसके टेस्ट के लिए ग्रामीणों को शहर नहीं जाना पड़ता है। चेकअप के दौरान उचित स्वास्थ्य परामर्श दिया जाता है। इसके अलावा एक एंबुलेंस की भी सुविधा है जिससे इमरजेंसी जैसी स्थिति के लिए उपयोग किया जाता है। सरगुजा, बस्तर अंचल में लोगों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए स्थानीय बोली के जानकार चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टॉफ की मदद ली जा रही है।